PROF. D. P. CHATTOPADHYAYA: Sir, the Law Commission has not been referred to in the question. It has been there in the answer. The question is of a large anvil that these are the difficulties that the women are subjected to. So, my question is this. As it has been pointed out by Bhupesh Babu, it should not be looked at from the very limited legal angle. The Social Welfare Ministry has also looked into it when some measures are thought of and laws are brought about. There is this social problem, the status of women. But the labour laws are titled against women the divorce laws are titled against women.

MR. CHAIRMAN: Mr. Chattopadhyaya, what is your question?

PROF. D. P. CHATTOPADHYAYA: The question is that when these laws were brought about, then the larger social aspect namely, the employment angle was tilted against women, the divorce laws were tilted against women, compensation to the woman after the dissolution of the marriage was tilted against her. And somebody was talking of the case Of Dharmendra and Hema Malini. This is a very sensational one and drew our attention. But thousands of cases like this are happening and the women are being deserted, and they have no money. Hema Malini has money to look after herself. So, what happens to these thousands of women who are deserted? Houses are broken, women are deserted by men and they have no fathers to look after them and no brothers to look after them. So, laws are brought about but these things should be looked into. I want to know whether these questions will be looked into.

MR. CHAIRMAN: Mr. Chattopaadhyaya, it is very interesting but irrelevant to the question. I am sorry, I have to rule it out. Now, we will pass on to the next question. Question No. 162.

to Questions

## Naval activity by super powers in the lindian Ocean

\*162. SHRI PRAKASH MEHROTRA: Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) whether Government have prepared any new defence perspective in view of increased naval activity by super powers in the Indian Ocean, presence of the Soviet troops in Afghanistan and large scale arms build-up by Pakistan; and

(b) if so, what are the details in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE AND DE-PARTMENTS UNDER THE CHARGE OF PRIME MINISTER (SHRI C. P. N. SINGH): (a) The maintenance of absolute Defence preparedness at all times is one of the imperatives of our national policy. Prevalent and foreseeable geo-strategic factors are fully taken into account in formulating our defence perspective plans.

(b) It will not be in the interest of national security to reveal further details.

श्री प्रकाश मेहरोत्रा : मान्यवर, यद्यपि हम लोग नौन प्रसम्बंध ने गंस ग्रौर...

श्री **बुढ प्रिय मौर्य**ः सभापति यहों-दय, श्रापकी नजरेइनायत इधर भी होनी चाहिए ।

MR. CHAIRMAN: First let him put his supplementary.

श्वी प्रकाश मेहरोत्राः सभाषति महोन दय, पहले आप सव की तरफ नजरे-इनायत कर लें फिर में प्रश्न पूछुंगा । मेरा प्रश्न यह है कि यद्यपि हम लोग नानग्रलाइड रेशन स्रौर यूनाईटेंड नेशन के सहयोग और मध्यम से हिन्द महा- 23 Oral Answers

सागर को जोन आफ पीस रखने की कोणिश कर रहे हैं किन्तु वास्तविकता से हम मुंह नहीं मोड़ सकते कि आम्ज बिल्ट अप को होड़ से हिन्द महासागर जो है वह महा अशांत सागर हो गया है । इसके फलस्वरूप मारीशस ने ब्रिटेन से मांग की है डिगोगाशिया का जो ढीप है वह उन्हें वापिस कर दिया जाए । तो मैं सरकार से यह जानता चाहता हूं कि मारीशिस की यह मांग जो है उसके प्रति सरकार का तथा रवैया है और जो स्थिति अब पैदा हो गई है उसको डिपयूज करने के लिए वे क्या कदम उठायेगे ?

SHRI N. K. P. SALVE: Sir. I may ask...

MR. CHAIRMAN: You cannot ask the question when another question is being answered, Mr. Salve. (*Interruptions*),

SHRI C. P. N. SINGH: Sir, the hon. Member has given us the information which I think every Indian is aware of and we are very worries too. But, as he is well aware, we have always taken every step to defuse situations like that. But if some super powers are moving their various naval ships etc. we cannot do much about it. We have made objections and we have brought up these matters. The Prime Ministers has also said that the tension in this area should be defused and these are the steps that we have taken.

MR. CHAIRMAN: Yes, your second supplementary.

श्री प्रकाश मेहरोत्रा : मान्यवर, मेराष् हला प्रका जो है उसी का उत्तर नहीं दियागवा है । मैंने यह पूछा था कि मारी जिस ने ब्रिटेन से जो मांग की है, क्योंकि इस प्रकार को स्थिति उत्पन्न हो गयी है इसलिए वह डीप वापस कर दिया जाये तो सरकार का उसके प्रतिक्या रवें ग्या है ब्रीर उसके लिए, क्या सहयोग म्यारी गम को देने वाले कदम उठा रही है । वर्वेश्चन मेरा यह या ग्रौर उका उत्तर नहीं दिया गया है ।

श्री जी० सी० भट्टाचार्यः । बहुत रिलेवन्ट सवाल है ।

SHRIMATI INDIRA GANDHI: Sir, there is no loubt that countries such as ours have had a raw deal. I think, there is justice in what Mauritius says but we have not taken a formal view on the matter. (*Interruptions*).

SHRI G. C. BHATTACHARYA: We want to know whether you will take any view or you will leave it just like that.

MR. CHAIRMAN: Yes, the Lady Member. (Interruptions),

SHRI PRAKASH MEHROTRA: Sir, I have to ask the second supplementary.

MR. CHAIRMAN; All right, what is your second supplementary.

श्री प्रकाश मेहरोत्रा : मान्यवर, मेरा • 1 दूसरा प्रथन यह है कि जो देश को चारों तरफ की सीमा पर आशांति हो गयी है ग्रीर इससे देश को सुरक्षा ग्रीर टेरी-टोरियल इन्टेंब्रिटी कां जो खतरा पैदा हो गया है, इस संबंध में सरकार ने कोई ठोस कदम भी उठाये हैं जैसे कि सब जानते हैं कि विदेशों से जहाज श्राम्स, मिलिटरी हाईवेयर खरीदा गया है किन्तु मेरी धारणा यह है कि केवल विदेशों से खरोदे गये मिलिटरी हाईवेयर के बल पर देश को सुरक्षा को ग्राध।रित नहीं किया जा सकता है । एक तो हमारा देश गरीव है, हमको वाहर से आग्सें खरीदना बहुत मंहगा पड़ता है श्रौर दूसरी बात यह है कि किसी भी रुमय ये डेवलप्ड ग्रीर ग्रमीर देश जो हैं ये जो हमारी होस्टाईल कन्द्रीज हैं इनको ग्राम्स देकर या हमारी सप्लाई क़ो रोककर · हमारे इस प्रयत्न को विफल कर सकते हैं। इसलिए यह ग्रावश्यक है कि हम सोपि-

24

स्टॉफेटेड ग्रा∓ां के प्रोडक्शन में संस्फ रिलायंस ग्रवीव करें। इसके लिए मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या सरकार के पाम कोई योजना ऐसी है कि जिसमें आई० सी० बी० एम० डीप पेनीट्रेशन एंयरकापट, टैक्स तथा सबमेरोव इत्यादि को हम खुद यहां डेवपल करें ग्रीर बाहर से एक्वायर न कर यहां इसका प्रोडक्शन करें। इस संबंध में क्या इसकी नोति है ग्रीर क्या ठोस कदम उठाये गये हैं; यह मैं जानता चाहता हूं।

श्रीमती इन्दिरा गान्धी : हमारी नोति हमेणा से रही है कि ब्रात्मनिभं रता कं तरफ प्रागे वढें। इस दिना में काफी महत्व हम अग्रे साइंटिस्ट्सों को दे रहे है कि प्रागे रिचंस करें। जो हुआ है उतक डिटेल्स तो में नहीं दे सकती ह लेकिन माननीय सदस्य को मालम है कि इस संबध में ... (Interruptions) हम पूरी काणिंग कर रहे हैं। लेकिन अभी हम बात्मनिर्भर नहीं है । इसमें कोई णक वहीं है कि बनी भी हम वाहर थे सहायता ले रहे हैं ग्रांर कुछ असे तक लेनो होगी । लेकिन उसके संग-तंग हमारा प्रोप्राम जारी है ज़ौर हम पुरी काणिशकर रहे हैं। जापने कन के वजट में मना होगा कि जार० एण्ड डां० को काफी महस्य दिया गया まし

SHRIMATI AMARJIT KAUR: Sir, in view of massive build-up by the super powers in the Indian Ocean, I would like to know as to what steps does the Government propose to take to rectify inadequacy of our naval defence.

SHRI C. P. N. SINGH: The Government is aware of the largescale arms build-up and also of the naval build-up in the Indian Ocean. The assessment of the national security environment is a continuing process and the increased naval activities will be taken into account and adequate defence preparedness is being maintained.

to Questions

**श्रीबुढ प्रिय मौर्य**ंचेयरनेन साहब, हमारो तरफ भी न**जरे इना**रत किया करें।

MR. CHAIRMAN: Yes, Mr. Salve now.

SHRI PILOO MODY. Is there no Opposition in this House? Four Members from there have been allowed.

MR. CHAIRMAN: I am coming round; you will get share equal to yourself.

SHRI N. K. P. SALVE: As the demands of the nations in the Far East.'..

श्री बुद्ध दिय मौर्यः खब हमारा नम्बर भो जाता चाहिए। आप सामने भी देखा करिए। आप सामने तो देखते ही नहीं।

श्वी **समापति**ः मैं सब तरफ देख रहा हे. आरोफो भूला नहीं हैं।

े श्री**बुद्ध प्रिय मौर्यः** मैं साधे घंटे से जिल्ला रहा हं।

श्री लगावति : जाया घंटा तो सभी हया नहीं ।

SHRI N. K. P. SALVE: Just as the demands of the nations in the Far East, South-East Asia and South Asia become more strident and persistent for declaring the Indian Ocean as a peace zone, there was almost a competition amongst the super powers to augment massively their naval strength and now we hear that the United States of America has built up a massive nuclear base at Diego Garcia. I would like to know from the Defence Minister whether it is correct that in the last few days, there have been activities of Dieg0 Garcia reported in the papers and news has been trickling in dribblets that there has been a large build-up of the nuclear base as such, and if it is so, I would like to

know as to how does that affect our defence strategy.

SHRI C. P. N. SINGH: Sir, we are also aware of the reports that the hon. Member referred to, but not confirmed by government's sources. As far as our preparedness goes, I have already answered that we are quite prepared for any such super power events that may take place in future. I am sure, the hon. Member will appreciate that India has always held that attitude and we take necessary steps to augment our defence equipments and we are always in the stage of preparedness.

श्री बुद्ध प्रिय मौर्यः श्रीमन्, कुछ समय पहले यू० एन० के अन्दर सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पारित हुआ था कि हिन्द महासगर को शांति का क्षेत्र रखा जाए । में माननीया प्राइम-मिनिस्टर जी से यह निवेदन करना चाहंगा और यह चाहंगा कि वे अपनी प्रतिक्रिया इस पर दें कि हिन्द महासागर के ग्रन्दर दो प्रकार की शक्तियां हैं, एक ऐसी शक्ति जिसने डियेगो गारसिया में ग्रापना पर्मानेन्ट न्यें-कि जयर बेस बना लिया है जहां से ग्रगर वह चाहे तो परे एणिया को भस्म कर सकता है झौर ऐसी णक्तियों के बचाव में वहां क्या-क्या प्रतिक्रियाएं हो रही हैं, या किस-किस शक्ति का जमाव डियेगो गारणिया में किया जा रहा है, उसकी जांच-पड़ताल करने के लिए एक गश्त करने के लिए जनित है।

तो, इन दोनों का ग्रन्तर करें। मैं माननीया प्राइस-मिनिस्टर जी से चाहूंगा कि उनकी इसके वारे में क्या प्रतिक्रिया है क्योंकि जब भारत सरकार दोनों को एक ही ग्रांकड़े पर खड़ा कर देती है तो हम इसको सही रूप नहीं दे पाते हैं क्योंकि एक वहां पर जम कर बैठ गया है ग्रौर दूसरी गक्ति यह देखती है कि वह जम कर क्या-क्या कार्यवाही कर रही है। to Questions

प्रधान मंत्री (श्रीमती इंदिरा गांधी): खाली दो शक्तियां बहां नहीं हैं। वहां दूसरे देश भी हैं। यहस च है कि एक देश जमकर बैठा है, लेकिन यह भी सच है कि जब किसी एक के जहाज जाते हैं, तो जिस प्रकार की इस वक्त एक राइदलरी, कोल्डबार चल रही है दुनिया में तो दूसरे उससे ग्रलग नहीं रहु सबते । इसलिए हमारी मांग है कि बाहर के कोई न हों ग्रीर हिन्द महासगर में केवल शान्तिमय ऐदीबिटीज रहे ।

SHRI DINESH GOSWAMI: With the nuclear development at Diego Garcia and Pakistan going nuclear, the situation is very much disturbing. Apart from our defence preparedness, the details of which, undoubtedly, no Government will give, I think, the time also calls for building up national and international pressures. In that context, may I know what steps the Government is taking for calling a conference of littoral countries so far as Indian Ocean is concerned? We also know that some of our friendly countries, as reports go, are helping Pakistan in building a nuclear device. I would like to know whether the Government is taking up this matter with the friendly countries to build up international pressure to make the world community realise the dangers of nuclear armament in this region.

SHRIMATI INDIRA GANDHI: Sir, we have been constantly drawing the attention of the world to the dangers of the situation. The hon. Member knows that all the littoral countries were united in the demand that the Indian Ocean should remain an area of peace. But it is true that some countries have offered military bases to big powers.

SHRI SADASIV BAGAITKAR: Sir,... (Interruptions).

MR. CHAIRMAN: Your time will come later on. I have called Mr. Bagaitkar. This side will otherwise become so insistent that you would not get a chance at all.

28

29 Oral Answers

SHRI SADASIV BAGAITKAR: Sir, may I know from the hon. Minister whether, in view of the situation which has developed in the Indian Ocean, in the context of Diego Garcia, the Government of India will make special efforts to support the demand by Mauritius? Obviously, one way out of this can be this. If Mauritius is in a position t0 claim the island, and which is theirs, I believe, much of the point of tension, cause of tension, can be removed. May I know from the hon. Prime Minister whether the demand made by Mauritius would be supported fully and international efforts will be made to get them back Diego Garcia?

SHRIMATI INDIRA GANDHI: Sir, at this moment, I am not prepared to say more than I already have.

औ रानेइवर सिंहः श्रीमन प्रधान मंत्री जी ने अपोजिशन से सहयोग की वात कही है कि ग्रपोजिशन के लोगों को सहयोग करना चाहिए । तो मैं प्रधान मंत्री जी को ग्राक्वासन देता हं कि हम अपोजिशन के लोग सहयोग करने के लिए तैयार हैं । लेकिन क्या यह सहीं नहीं हैं कि जो हमारी नीतियां पिछले दिनों रही हैं उसकी वजह से हम जो दो शक्तियां हैं महा-शक्तियां हैं बारी-वारी से दोनों शक्तियों की हम खुशामद करते रहे हैं जिसका परिणाम हैं कि हिन्द महासागर का क्षेत्र ग्रशांति का क्षेत्र बन गया है। प्रधान मंत्री जी इसको भी बताएं कि क्या यह सही नहीं है कि 5 मिनट के ग्रन्दर हिन्द महासागर से सारे हिन्दुस्तान को समाप्त कर देने की शबित उन के पास है ? इसके लिए क्या सरकार सोच रही है कि झौर क्या कार्यवाही कर रही है ?

SHRIMATI INDIRA GANDHI: The premise on which the hon. Member has based his question is not at all correct. हम किसी की भी ख़शामद नहीं कर रहे

हैं, न एक ज्ञक्ति की न दूसरी ज्ञक्ति की । हमारी नीति वहत स्पष्ट रही है वहत मजबूत

भी रही है और सब को मालूम है। लोगों के विरोध करने का एक कारण यह है कि इस देश की एक स्वतन्त्र नीति रही है। डीगो गाणिया में हिन्द महासागर में जो हो रहा है उस का मेरे ख़याल से हमारी नीति पर ग्रसर पडने वाला नहीं है क्योंकि यह बड़ी शक्तियों की अपनी लड़ाई है और उनकी कोशिश है कि वह लड़ाई उनसे जितनी ज्यादा दूर हो उतना ज्यादा वह अपने लिए ठीक समझते हैं। जहां तक हमारी तैयारी का प्रश्न है अब उस के बारे में यहां कुछ ज्यादा कह नहीं सकते हैं । हमारा उतना बल तो नहीं है जो उन महा-ग्रवितयों का है लेकिन इस स्थिति में हमारी पूरी कोशिश है जहां तक हो सके हम इसका मुकाबला कर सकें ग्रीर उस कोशिश में हम लगे है।

MR. CHAIRMAN: I cannot leave it to only one party.

श्री शिव चः द्र झाः हम लोगों की बारी ग्रायी तो फिर ग्राप उधर चले गये ।

SHRI PILOO MODY: Mr. Yadav has succeeded in intimidating you yesterday.

श्वी रामानन्द दादव : जहां तक हमारे वेस्टर्न फ्रंट का सवाल है, उस पर भी ग्राज खतरा है । पाकिस्तान ग्रपने को नये-नये हथियारों से सुसज्जित कर रहा है । चीन के माध्यम से ग्रमरीकन हथियार पाकिस्तान को मिल रहे हैं । सऊदी ग्ररेबिया के पंसे के बल पर ग्राज पाकिस्तान एटम बम बनाने जा रहा है । फांस और दूसरे ग्राधुनिक देशों से वह वाम्बर ग्रीर डीप-पेनीट्रेटिंग वाम्बर खरीद कर ग्रपने को शक्तिशाली बना रहा है । वर्स्ड की दूसरी मार्केट्स ऐसे लीथल वीपन्स खरीद कर ग्रपने को शक्तिशाली वना रहा है । दूसरी शक्ति रहस भी ग्राज ग्रफगानिस्तान में

श्री सभापतिः ग्राप जदी सवाल करिए ताकि मैं उधर भी तवज्जह कर सकुं। श्री रामानन्व यादवः अब इन दो खतरों को महूं नजर रखते हुए इंडियन आर्मी, थल सेना अर हवाई सेना को सुद्द करने के साथ क्या भारतीय सरकार एटम बम बनाने की व्यवस्था करेगी और दूसरे नये कदम उठायेगी ?

SHRI C. P. N. SINGH: Sir, so far as the hon. Member is concerned, I would like to allav his fear which are not really substantial because the defence preparedness of our nation is unquestionable. So far as the other aspect of the atomic bomb is concerned, we have always kept up the argument and it has been our policy that the atomic energy is only to be utilized for peaceful purposes.

SHRI M. R. KRISHNA: Sir, you called me.

MR. CHAIRMAN: Yes, you ask the question. (*Interruptions*). I think after ten minutes nobody will have a chance.

SHRI JAGISH PRASAD MATHUR: Sir, you pointed me out.

MR. CHAIRMAN: Let him finish first. (*Interruptions*). There are some Members who raise their hands even before the question is put.

SHRI M. R. KRISHNA: Sir, rightly we are not the members of the Warsaw Pact or the NATO powers. The Warsaw countries guided by the Soviet Union military strategies are very definite that the NATO with the help of the USA is going to attack Russia and therefore, they want to prepare themselves for this. It is said that nearly 60 per cent of the missiles in the Indian Ocean are concealed and unknown and they cannot be detected.

MR. CHAIRMAN: What can we do about it?

SHRI M. R KRISHNA: Therefore, the danger for India in the Indian Ocean in greater compared to the other countries.

MR. CHAIRMAN: Have you any suggestion?

SHRI M. R, KRISHNA: And because of our neutral and peaceful attitude the danger is increasing. The countries, like Maldives and other countries, wanted to create international opinion against these powers having control in the Indian Ocean.

MR. CHAIRMAN: What is your question?

SHRI M. R. KRISHNA: I want to know whether the Government of India has been approached by Maldives and other countries, like Indonesia, and whether the Government of India will be able to give a lending hand to them because militarily we cannot face the NATO or the Warsaw.

SHRIMATI INDIRA GANDHI: It is India which took the lead in this matter. Maldives have also arised the question and, as I have said, all the littoral States and the various Islands supported us in this matter.

SHRI G. C. BHATTACHARYA: Apparently, I am pointing out to the three contradictions. Firstly, the hon. Prime Minister says that fighting is the concern of these two powers. Secondly, she says that they are fighting and are trying to shift the centre far away from their countries. Thirdly, Sir, Mauritius is a very friendly country. What will happen because of this shifting of the centre of rivalry? If Mauritius is demanding the return of the island and the Prime Minister is saying that we are not taking a formal view, what will be the international repercussions of this statement? Mauritius is a country which is also demanding return of the island which will, in a way, remove the danger of the rival powers shifting the centre to our theatre. Therefore, I am asking a specific question whether she will make an effort to help Mauritius in its demand to have international support and form international opinion so as to compel Britain and the USA to return Diego Garcia to Mauritius.

to Questions

SHRIMATI INDIRA GANDHI: I have already replied to most of the question. Much as we should like to think that such international opinion has any effect on these big powers, it is our experience that it does not have much effect.

SHRI T. ALIBA IMTI: I want to put a small question. In case any hostility arises or if a war breaks out with any power, it will be the armed forces personnel— the Air Force, the land forces and the Navy—who will fight against this aggression. My question is whether the armed forces personnel are being properly looked after by us or not, whether there are solid and dedicated persons in the three services or not, whether in the case of their promotion, their service conditions and other things, they are being looked after. I will be happy if the Minister could reply that these very important services of our country are being properly looked after.

MR. CHAIRMAN: What is your question?

SHRI PILOO MODY: Are we looking after our defence personnel? That is the question.

SHRIMATI INDIRA GANDHI: It is a very good question.

MR. CHAIRMAN: You want to reply?

SHRI C. P. N. SINGH: Yes, Sir, I have to reply. The hon. Member has expressed concern about the defence forces. I can assure him that we are doing our best and we try and make all the requisite and required improvement in their conditions.

श्री बो० सस्य रारायण रेडडी : मैं यह जानना चाहता हूं कि मारिणस ने इस ग्राईलैंड को वापस करने की डिमांड की है, क्या यह बात ठीक है ? दूसरी चीज यह है कि मारिणस एक नान-एलाइन्ड कंट्री है श्रीर जितने नान-एलाइन्ड कंट्रीज हैं वे सब हिन्दुस्तान की निचारधारा से सहमत है या नहीं ? जब हिन्दुस्तान खुद इस समस्या के बारे में कोई 447 RS-2. सही राय नहीं रखता है तो दूसरे जितने भी नान-एलाइन्ड कंट्रीज हैं उनका व्यूक्या होगा ? हिन्दुस्तान के व्यू से नान-एलाइन्ड कंट्रीज सहमत हैं या नहीं या अमरीका ब्लाक के प्वांइंट आफ व्यू को वह लोग सपोर्ट करते हैं । यह मैं प्रधान मंत्री जी से जानना चाहता हं ।

श्रीमती इस्दिरा गांधी : मैं ने पहले भी कहा कि चारों तरफ जितने देश हैं वह हम से सहमत हैं कि यहां कोई बाहरी प्रभाव नहीं पड़ने देना चाहिए ।

श्रो जगदीश प्रसाद माथुर : इस सवाल में एक पेचीदगी है जो सामने नहीं आयी है। सवाल में है "एक्टिविटी बाई सुपर पावर्स इन दि इंडियन ग्रोशन, प्रेजेंस ग्राफ दि सोवियट ट्रप्स इन ग्रफगानिस्तान", मैं जानना चाहता हूं कि सोवियत टुप्स की प्रजेंस इन ग्रफग।निस्तान का अर्थ क्या यह नहीं है कि वहां पर ग्रपना ग्राधिपत्य करके रूस नीचे समुद्र तक ग्राना चाहता है इस बात को भी दुष्टि में रख कर क्या रूस से कोई बात की गयी है या इस बात की कोशिश की गयी है कि वह अफगानिस्तान से अपनी फौजें हटा ले और वहां उसने जो ग्रपनी कठपूतली सरकार बनायी है उसे इस उद्देश्य के लिए उपयोग न करें। क्या सरकार की दुष्टि में यह बात है कि रूस अफगानिस्तान में झाने के बाद इंडियन ग्रोशन के निकट ग्राना चाहता है। ऐसा होने से उसे लगातार साल भर के लिये एक पोर्ट मिल जायेगा Is the Government awaer of it?

SHRIMATI INDIRA GANDHI: Sir, I have not understood the question.

श्री जगदीश प्रताद माथुर : क्या सरकार को पता है कि सोवियत फौंजों का ग्रफगा-निस्तान में रहने का उद्देश्य यह भी है कि यहां पर एक वैंदर पोर्ट हासिल कर ले ? (Interruptions) Are you aware of the danger?

SHRI BHUPESH GUPTA: On a point of order, Sir. Is it the advice

Mr. Moshe Dayan gave to Mr. Vajpayee when he came here?

## श्री जगडोश यताद माथुरः क्या सरकार इस खतरे से सचेत है और सरकार किसी प्रकार से रूस की सरकार से इस बारे में बातचीत करने को तैयार है ?

SHRIMATI INDIRA GANDHI:Sir,I do not think the Soviet Unionisgoing to cross from Afghanistanonto the Indian Ocean.is

MR. CHAIRMAN; Question hour is over.

## WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Decrease in turnover of the National Small Industries Corporation

•163. SHRI R. R. MORARKA; SHRI PILOO MODY:

Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there has been 59 per cent decrease in the turnover of the National Small Indus tries Corporation in 1978-79 as com pared to that during the previous year; and

(b) if so, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI CHARANJIT CHANANA): (a) and (b). Yes Sir. There was a decline in turnover of the National Small Corporation by Industries about 62 per cent in 1978-79 as com pared to the previous year. As would be seen from the Statement on the Table of the House; placed the decline in the turnover was due to factors like discontinuation of distribution of brass scrap obtained Ordnance Factories from by the Corporation to small scale units and the reduction in the volume of machinery advanced on Hire Purchase basis to small entrepreneurs.

## Statement

The year-wise turnover of National Small Industries Corporation for the past 3 years is as given below:- (Figures in Lakhs of Rs.)

	· · · _	``	( <b>, , g</b> , <b>, , , , , , , , , , , , , , , , , , </b>			
			1977-78	1978-79	10,0- 30	
Hire Purchase of Machinery		. •	160.32	103.47	306.00	
Internal Mkg. /Distribution of Scarce Raw Material	•	•	1240.10	196,80	300.97	
Export of SSI Products			33.23	195.15	105.22	
PDTC M'Tools & Common service Facility		•	52.30	68.41	69.41	

Representation from the Engineering Supervisory staff Association of Burn Standard Company Ltd.

\*164. SHRI JAHARLAL BANERJEE: SHRI AHMAD HOSSAIN MONDAL: SHRI PRASENJIT BAR-MAN: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether Government have received any representation from the Engineering Supervisory Staff Association, Burn Standard Company Limited, Burnpur regarding the grievances of the supervisory staff of the organisation in respect of their pay-scales etc; and